खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. ''मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिक जीवन में व्याप्त अकेलेपन, अवसाद, घुटन और तनाव की गहरी अभिव्यक्ति हुई है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

11. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्यकारों का परिचय देते हुए प्रमुख व्यंग्य निबंधों पर प्रकाश डालिए।

12. 'चंद्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु को ध्यान में रखते हुए सिद्ध कीजिए कि यह एक ऐतिहासिक नाटक है ?

13. हिन्दी गद्य के विकास को समझाते हुए कथेतर विधा के क्षेत्र में भारतेन्दु के योगदान को रेखांकित कीजिए।

MAHD–05

December – Examination 2022

M.A. (Final) Examination

HINDI

(नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ)

Paper : MAHD-05

*Time : **3** Hours]* *[Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

   (i) स्वातंत्र्योत्तर **दो** नाटककारों के नाम लिखिए।

   (ii) नाटक में 'कथोपकथन' के **दो** महत्व बताइये।

(iii) **दो** प्रसिद्ध 'जीवनियों' के नाम लिखिए।

(iv) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के **दो** ललित निबंध संग्रहों के नाम बताइये।

(v) 'अतीत के चलचित्र' और 'पथ के साथी' कृतियों के रचयिता का नाम बताइये।

(vi) 'आवारा मसीहा' जीवनी में किस महापुरुष का जीवन चरित्र चित्रित किया गया है ?

(vii) 'अंधा युग' से क्या तात्पर्य है ?

(viii) 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा-वृत्तान्त किसकी रचना है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा—आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी सन्तान के संभावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है, बड़े से बड़ा संकट झेल लेगी।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''उत्कर्ष की ओर उन्मुख समष्टि का चैतन्य अपने ही घर से बाहर कर दिया गया, उत्कर्ष की मनुष्य की ऊर्धोन्मुखी चेतना की यही कोमल सनातन काल से अदा की जाती रही है। इसलिए जब कीमत अदा कर दी गई तो उत्कर्ष कम से कम सुरक्षित रहे यह चिंता स्वाभाविक हो जाती है। राम भीगें तो भीगें, राम के उत्कर्ष की कल्पना न भीगें, वह हर बारिश में, हर दुर्दिन में सुरक्षित रहे। नर के रूप में लीला करने वाले नारायण निर्वासन की व्यवस्था झेले पर नर रूप में उसकी ईश्वरता का बोध दमकता रहे, पानी की बूँदों की झालर से उसकी दीप्ति छिपने न पाये।

4. धर्मवीर भारती के नाटकों के आधार पर उनकी नाट्य दृष्टि की विवेचना कीजिए।

5. हिन्दी निबंध के विकास की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

6. 'रेखाचित्र' को परिभाषित करते हुए इस विधा के प्रमुख रचनाकारों का परिचय दीजिए।

7. एकांकी कला के आधार पर 'आवाज का नीलाम' एकांकी की विवेचना कीजिए।

8. 'आत्मकथा' लेखन में लेखक को किन सावधानियों का पालन करना चाहिए ? विस्तार से बताइये।

9. 'डायरी एवं फीचर' लेखन पर एक लेख लिखिए।